लेप्टोस्पायरोससि और डेंगू का प्रकोप

लेप्टोस्पायरोससि **जीवाणु संबंधी संभावति घातक रोग** है जो मानसून के महीनों के दौरान अधिक प्रभावी हो गया है, यह प्रदूषित जल के संपर्क में आने वाले **कृषि क्षेत्र या सैनिटरी सेवाओं में काम करने वाले लोगों** हेतु गंभीर जोखिम उत्पन्न करता है।

- इसके अलावा सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा **संभावित गंभीर डेंगू के प्रकोप** के बारे में चेतावनी दी गई है, साथ ही उन्नत नैदानिक एवं विषाणु संबंधी निगरानी की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया है। **सर्कुलेटिंग डेंगू वायरस (DENV) सेरोटाइप** में परिवर्तन से अधिक गंभीर तथा जीवन-संकट वाली स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं।
  - केरल के तिरुवनंतपुरम ज़िले की रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2022 में डेंगू **के 70% नमूने DENV3 से संबंधित थे, साथ ही कुछ मामले DENV4 से भी संबंधित थे।**

लेप्टोस्पायरोससि:

- **परिचय:**
  - लेप्टोस्पायरोससि **बैक्टीरियम लेप्टोस्पाइरा इंटरऑर्गन** के कारण होता है, जो मुख्य रूप से **संक्रमित जानवरों के मूत्र में पाया जाता है।**
  - **रोग के वाहक के रूप में जंगली और घरेलू जानवरों में** जैसे- कृंतक, मवेशी, सूअर और कुत्ते शामिल हैं।
- **लक्षण:**
  - लेप्टोस्पायरोससि में लक्षणों की शृंखला देखी जा सकती है, जो **हल्के फ्लू जैसी बीमारी से लेकर जानलेवा स्थिति तक हो सकती है।**
    - सामान्य लक्षणों में **अचानक बुखार आना, ठंड लगना और सिरदर्द** शामिल हैं, **कभी-कभी इसके कोई भी लक्षण नहीं देखे जाते** हैं।
    - गंभीर स्थिति में **अंग शिथिलता के मामले** देखने को मिल सकते हैं, **जिसका यकृत, गुर्दे, फेफड़े और मस्तिष्क पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता** है।
- **प्रसार:**
  - संक्रमित पशुओं के मूत्र में लेप्टोस्पाइरा की मात्रा पाए जाने **के साथ ही संचरण चक्र की शुरुआत** होती है।
    - **संक्रमित पशु मूत्र अथवा दूषित मृदा और जल के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने वाले व्यक्तियों में इसके संक्रमण** का जोखिम होता है।
      - **त्वचा पर किसी प्रकार का घाव वाले व्यक्तियों में** लेप्टोस्पायरोससि होने की संभावना अधिक होती है।
- **बचाव:**
  - लेप्टोस्पायरोससि के प्रसार को कम करने और किसानों के आर्थिक नुकसान को कम करने हेतु **पशु संक्रमण को रोकना, स्वच्छ पशुपालन तथा रखरखाव, उचित अपशिष्ट प्रबंधन एवं बेहतर स्वच्छता सुविधाएँ** महत्त्वपूर्ण हैं।
  - लेप्टोस्पायरोससि से बचाव हेतु **मानव, पशु, पौधे और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की परस्पर संबद्धता पर केंद्रित '** वन हेल्थ' दृष्टिकोण" को अपनाना आवश्यक है।
- **लेप्टोस्पायरोससि के बारे में गलत धारणाएँ:**
  - **लेप्टोस्पायरोससि के संबंध में एक आम गलत धारणा यह है कि इसे पूरी तरह से चूहों के साथ जोड़कर** देखा जाता है, जो कि सही नहीं है क्योंकि इसके संचरण के स्रोत अन्य कई पशु हो सकते हैं।

डेंगू:

- **परिचय:**
  - डेंगू एक **मच्छर जनित उष्णकटिबंधीय बीमारी है जो डेंगू वायरस (जीनस फ्लेवीवायरस) के कारण** होती है, **इसका प्रसार मच्छरों की कई जीनस एडीज़** (Genus Aedes) प्रजातियों, मुख्य रूप से **एडीज़ इजिप्टी** (Aedes aegypti) द्वारा होता है।
    - यह मच्छर चिकनगुनिया और ज़िका संक्रमण भी फैलाता है।
- **डेंगू के सीरोटाइप:**
  - वायरस के 4 अलग-अलग सीरोटाइप (सूक्ष्मजीवों की एक प्रजाति के भीतर अलग-अलग समूह जो सभी एक समान विशेषता साझा करते हैं) एक समान प्रतीत होते हैं जो डेंगू **(DEN-1, DEN-2, DEN-3 और DEN-4)** का कारण बनते हैं।
- **लक्षण:**

- अचानक तेज़ बुखार, बहुत तेज़ सिरदर्द, आँखों के पीछे दर्द, हड्डियों, जोड़ों एवं मांसपेशियों में तेज़ दर्द आदि।
- **डेंगू का टीका:**
  - भारत के [नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज़](#) के शोधकर्त्ताओं ने भारत, अफ्रीका और अमेरिका में नौ अन्य संस्थानों के सहयोग से **डेंगू बुखार के लिये भारत का पहला और एकमात्र DNA वैक्सीन** विकसित किया है।
  - डेंगू वैक्सीन **CYD-TDV या Dengvaxia** को वर्ष 2019 में **यूनाइटेड स्टेट फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन** द्वारा अनुमोदित किया गया था जो अमेरिका में नियामक मंज़ूरी प्राप्त करने वाला **पहला डेंगू वैक्सीन** था।
    - [Dengvaxia](#) मूल रूप से **एक जीवित, एटेन्यूयेटेड डेंगू वायरस** है जिसे 9 से 16 वर्ष की आयु के उन लोगों को लगाई जाती है जिनकी रिपोर्ट में डेंगू संक्रमण की पुष्टि हुई है और जो स्थानिक क्षेत्रों में रहते हैं।
- **टीका विकसित करने में चुनौतियाँ:**
  - प्रभावी डेंगू वैक्सीन विकसित करना **चार एक समान प्रतीत होने वाले वायरस सीरोटाइप के कारण चुनौतीपूर्ण** है जो [एंटीबॉडी](#) के साथ अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है।
  - एक आदर्श वैक्सीन को **एंटीबॉडी-निर्भर वृद्धि (ADE) से दूरी बनाए रखते हुए सभी सीरोटाइप को लक्षित करना चाहिये** जहाँ एंटीबॉडी वायरस की सहायता कर सकती है तथा जिससे गंभीर बीमारी हो सकती है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित बीमारियों में से कौन-सी टैटू बनवाने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संचरित हो सकती है/हैं?

1. चिकनगुनिया
2. यकृतशोथ B
3. HIV-AIDS

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

स्रोत: [द हिंदू](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/leptospirosis-and-dengue-outbreaks